जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 241 प्रभात चूरू, शनिवार 28 दिसम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

11:45 बजे निगमबोध घाट पर होगा पूर्व प्र.मंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार

डॉ. सिंह की पत्नी गुरुशरण कौर ने आम जनता के इस श्मशान का चयन किया है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

■ **गृह मंत्रालय की ओर से निगमबोध घाट पर सरकारी अधिसूचना भेजी गई है, जिसके अनुसार सारी तैयारी रक्षा मंत्रालय करेगा।**

■ **केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक फरवरी तक राजकीय शोक की घोषणा की। इस दौरान भारत में और दुनिया भर में सभी भारतीय दूतावासों में भारतीय झण्डा आधा झुका रहेगा।**

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अन्त्येष्टि शनिवार को पूर्वान्ह 11:45 बजे निगम बोध घाट पर होगी, जो आम लोगों का श्मशान है। यह निर्णय उनकी विधवा गुरुशरण कौर कोहली ने लिया है।

दाह संस्कार के बारे में संयुक्त गृह सचिव जी. पार्थसारथी द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है: "रक्षा मंत्रालय से निवेदन है कि पूरे सैन्य सम्मान के साथ राजकीय अंतिम संस्कार के लिये व्यवस्था करे।"

सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के इस निवेदन को स्वीकार नहीं किया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का दाह संस्कार यमुना नदी के किनारे पर किसी विशिष्ट एवं एकांत स्थल पर किया जाये। सरकार सूत्रों ने कहा कि अंतिम संस्कार के स्थान का अंतिम निर्णय डॉ. मनमोहन सिंह की धर्मपत्नी गुरुशरण कौर कोहली की सलाह के अनुरुप लिया गया है।

परिवार डॉ. मनमोहन सिंह की पुत्री अमृत सिंह ने अमेरिका से आने का इंतजार कर रहा है। वे मानवाधिकार वकील तथा स्टैनफोर्ड लॉ स्कूल में प्रैक्टिस ऑफ लॉ की प्रोफेसर हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा 1 जनवरी तक, सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। एक जनवरी तक की राजकीय शोक की अवधि में, सम्पूर्ण भारत के साथ ही, विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों, हाई कमीशनों राष्ट्रीय ध्वज, ध्वज-दंड की आधी ऊंचाई पर फहरेगा।

डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। स्टेट फ्यूनरल वाले दिन केन्द्र सरकार के सभी कार्यालयों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के केन्द्रीय प्रतिष्ठानों में आधे दिन का अवकाश रहेगा।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल छब्बीस दिसम्बर, 2024 को नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज में हुई, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

डॉ. मनमोहन सिंह 1991 से 1996 के बीच देश के वित्तमंत्री रहे। आर्थिक सुधारों की व्यापक एवं विचक्षण नीति के शुभारम्भ में उनकी भूमिका सर्वविदित है। डॉ. सिंह 22 मई, 2004 को भारत के प्रधानमंत्री बने तथा 2014 तक, दो कार्यकालों के लिए, वे इस पद पर रहे।

डॉ. मनमोहन सिंह ने हमारे राष्ट्रीय जीवन पर अपनी विशिष्ट छाप छोडी है। उनके सदैव के लिए चले जाने से, राष्ट्र ने एक उत्कृष्ट राजनेता, एक सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री तथा एक विशिष्ट नेता खो दिया है।

मंत्रिमंडल ने सरकार तथा पूरे राष्ट्र की ओर से शोक संतप्त परिवार को हार्दिक शोक-संवेदनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

जयपुर, 27 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि डॉ. सिंह ने छोटे से गांव एवं साधारण परिवार से निकलकर ज्ञान और समर्पण से देश को आर्थिक सुधारों के एक नए युग में प्रवेश कराया। वित्त मंत्रालय के सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं

■ **उन्होंने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में विशेष स्थान दिलाया।**

प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा में अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उनके विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने सार्वजनिक जीवन में उन्हें विशेष स्थान दिलाया। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

क्या भाजपा स्व. प्र.मंत्री सिंह की स्मृतियों व सहानुभूति पर भी कब्जा कर लेगी?

शुक्रवार को दिन भर टी.वी. चैनल्स का मनमोहन सिंह की मृत्यु पर प्र.मंत्री मोदी का महिमा मण्डन करते हुए संवदेनापूर्ण शोक संदेश कई बार प्रसारित हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **कई चैनल्स ने तो हवा बनानी शुरु कर दी है कि डॉ. मनमोहन सिंह को कांग्रेस पार्टी से वह समर्थन व सम्मान कभी नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।**

■ **यह कहने का प्रयास किया गया है कि सोनिया गांधी का व्यवहार पूर्व प्र.मंत्री के साथ ठीक नहीं था तथा सोनिया गांधी ने डॉ. मनमोहन सिंह को दबाव में रखा, अपना एजेंडा पूरा करवाने के लिए।**

■ **हालांकि, पहले भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री पर व्यंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी तथा प्र.मंत्री मोदी ने तो यह तक कहा था कि मनमोहन सिंह ऐसे व्यक्ति हैं, जो "रेन कोट" पहन कर "शावर" लेते हैं।**

■ **और अब दिवंगत प्र.मंत्री के प्रति इतनी सहानुभूति कुछ अटपटी बात तो लगती है।**

■ **डा. मनमोहन सिंह की धरोहर पर कब्जा करने के लिए, भाजपा यह अटपटी स्थिति भी सहने को तैयार है।**

■ **क्या डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति इतनी संवेदना इसलिये भी है, क्योंकि वे "गैर गांधी" प्र.मंत्री थे।**

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की मृत्यु हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए है कि भाजपा ने उनकी विरासत को हथियाने के प्रयास शुरु कर दिए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुबह प्रधानमंत्री मोदी से बात की और कहा कि सरकार डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के लिए जमीन आवंटित करे और वहाँ उनकी समाधि बनाई जानी चाहिए। इसके बाद प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजा गया जिसमें डॉ. सिंह की विरासत के बारे में बताया गया।

लेकिन शुक्रवार देर शाम गृह मंत्रालय ने यह प्रार्थना ठुकरा दी और कहा कि अंतिम संस्कार शनिवार को 11:45 बजे निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। चूंकि यह राजकीय "फ्यूनरल" है इसलिए सारी व्यवस्था रक्षा मंत्रालय करेगा।

शुक्रवार शाम कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में डॉ. मनमोहन सिंह को श्रृद्धांजलि दी गई ओर प्रस्ताव पारित किया गया।

मजे की बात यह है कि सरकार समर्थक प्रमुख टी.वी. चैनल डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार कवरेज दे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारागाह जमीन पर अतिक्रमण क्यों नहीं हटा

जयपुर, 27 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की लोटवाडा ग्राम पंचायत में चारागाह जमीन पर अतिक्रमण के मामले में, जिला कलेक्टर को शपथ पत्र पेश कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का ब्यौरा देने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने 10 जनवरी को कलेक्टर को हाजिर होकर इस संबंध में अपना जवाब देने को कहा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ **हाई कोर्ट ने दौसा कलेक्टर से 10 जनवरी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा।**

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि साल 2021 में इस भूमि से अतिक्रमियों को बेदखल करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अधिकारियों ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। वहीं अदालत की ओर से रिपोर्ट मांगने पर 9 दुकानों को सील कर 2 दुकानों के अतिक्रमण को हटाया गया। अदालत ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि ग्राम पंचायत की ओर से अतिक्रमियों का संरक्षण किया जा रहा है, जबकि यह पंचायत का काम नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि गांव की करीब छह बीघा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन में एक बार फिर खलबली मची

अमित शाह की चुप्पी, डिप्टी सी.एम. सिन्हा और गिर्राज सिंह के बयानों ने आग में घी डाला

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

■ **गृह मंत्री अमित शाह से पूछा गया था कि क्या भाजपा मुख्यमंत्री प्रोजैक्ट नहीं करने के महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करेगी बिहार में, तो शाह ने कुछ नहीं कहा। शाह की चुप्पी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।**

■ **बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा ने वाजपेयी के जयंती कार्यक्रम में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का सपना तभी साकार होग, जब बिहार में भाजपा की अपनी सरकार बनेगी।**

■ **कुमार की चिंता को और बढ़ाते हुए केन्द्रीय मंत्री गिर्राज सिंह ने नीतीश को भारत रत्न देने की मांग की। इस बयान का मंतव्य यह लगाया जा रहा है कि यह कुमार को एन.डी.ए. के मार्गदर्शक मंडल में भेजने की चाल है।**

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। खोटे सिक्के की तरह बिहार के बारे में एक प्रश्न बार-बार सामने आ जाता है : क्या नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा को छोड़कर आर. जे. डी. के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होंगे?

विधान सभा चुनाव एक साल के अंदर होने हैं, ऐसे में राज्य की राजनीति में फिर से उथल-पुथल शुरू हो गई है। नीतीश कुमार भविष्य में कौन सी राजनीतिक चालें चलेंगे, इस बात को लेकर अटकलबाजियां शुरू हो गई हैं और इसके पीछे कारण माना जा रहा है- गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा, किसी एक नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में प्रोजैक्ट नहीं करने के महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करेगी, गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। इससे नीतीश कुमार के निष्ठावान समर्थक शंकित व चकित तो हो ही गए, साथ ही भाजपा नेता तथा दो में से एक उपमुख्यमंत्री, विजय कुमार सिन्हा ने इस चिंता को और बढ़ा दिया।

स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की सौवीं जयंती के समारोह में बोलते हुए, सिन्हा ने चेतावनी भरे संकेत दिए। उन्होंने कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री का सपना तभी पूरा होगा, जब भाजपा अपनी सरकार गठित करेगी। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने वक्तव्य से इस स्थिति को और बिगाड़ दिया, हालांकि वे नीतीश कुमार की प्रशंसा कर रहे थे और उनके लिए भारत रत्न की मांग कर रहे थे। सिंह के वक्तव्य का अर्थ यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर के लोगों के हृदय में मधुर स्मृतियां हैं, पूर्व प्र.मंत्री स्व.डॉ. सिंह की

प्र.मंत्री के रूप में दस साल के कार्यकाल में डॉ. सिंह तीन बार मणिपुर गए थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **20 नवम्बर 2004 को वो पहली बार मणिपुर आए थे और असम रायफल्स के मुख्यालय रहे। काँगला फोर्ट को मणिपुर के सुर्पुद किया था। काँगला फोर्ट मणिपुर की जनता के लिए ऐतिहासिक एवं भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण रहा है।**

■ **उसके दो साल बाद 2 दिसम्बर 2006 को सिंह कई विकास योजनाओं के साथ पुनः मणिपुर गए।**

■ **तीसरी बार डॉ. सिंह 3 दिसम्बर 2011 को फिर मणिपुर पहुँचे और कई प्रोजैक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ सोनिया गांधी भी थी।**

■ **हिंसा से जूझ रही मणिपुर की जनता डॉ. सिंह को ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद करती है, जिसने उनकी बात सुनी और संकट के समय त्वरित कदम उठाए।**

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। तीन मई, 2023 से मणिपुर में लगातार चल रहे संघर्ष एवं जातीय तनावों के बीच, मणिपुर की जनता ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान उनके तीन महत्वपूर्ण दौरों के लिये उन्हें बड़ी आत्मीयता से याद किया। दूसरी तरफ, वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संघर्ष-त्रस्त राज्य के लोगों से जाकर मिलने से इंकार कर दिया है।

मनमोहन सिंह के उन दौरों ने मणिपुर को कष्ट देने वाले मुद्दों की विकटता को न केवल रेखांकित किया, बल्कि लम्बे समय से चली आ रही उनकी शिकायतों एवं परिवेदनाओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर स्थापित किये।

डॉ. मनमोहन सिंह का पहला दौरा ऐसे संकटपूर्ण समय पर हुआ था, जब राज्य जातीय हिंसा और उपद्रवों का सामना कर रहा था।

20 नवम्बर 2004 को उन्होंने काँगला फोर्ट को राज्य सरकार को सौंपे जाने का निरीक्षण किया था तथा इस प्रकार मणिपुरवासियों की दशकों से चली आ रही माँग को पूरा किया था। काँगला फोर्ट, जो "असम राइफल्स" का मुख्यालय रहा था, उपनिवेशीय तथा बाद के सैन्य प्रभुत्व का प्रतीक था। इसे राज्य की जनता को लौटाना अत्यधिक भावनात्मक एवं ऐतिहासिक महत्व का कार्य था।

उस अवसर पर आयोजित समारोह में डॉ. सिंह ने कहा था, "यह हम सबके लिये एक ऐतिहासिक दिन है। काँगला फोर्ट परिसर को मणिपुर सरकार को सौंपने के पावन अवसर पर आपके बीच आकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ।

उनका यह दौरा आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर्स एक्ट (ए.एफ.एस.पी.ए.) के विरोध की पृष्ठभूमि के विरूद्ध था। यह विरोध असम राइफल्स की हिरासत में टी. मनोरमा की दुखद मृत्यु के बाद और ज्यादा बढ़ गया था।

उनकी शिकायतों को स्वीकार करते हुये, डॉ. सिंह ने मणिपुर की जनता को आश्वस्त किया था कि सरकार उनकी परेशानियों और चिन्ताओं का समाधान करेगी। उन्होंने ए.एफ.एस.पी.ए. (उफ्सपा) के प्रावधानों की समीक्षा के लिये एक कमेटी के गठन की घोषणा कर दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधवा ने जमीन हड़पने का आरोप लगाया

जयपुर । जमीनी विवाद के चलते हुए, झगड़े बाद एक विधवा महिला बेघर हो गई। महिला के पास न रहने के लिए छत है और न ही खाने के लिए दाने। इस मामले में पुलिस भी पीड़िता की सुनवाई नहीं कर रही है। मामला प्रागपुरा थाना इलाके का है। हालांकि विवाद एक परिवार के बीच का ही है। इस मामले को

■ **न्याय नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री आवास के बाहर आमरण अनशन की घोषणा की।**

लेकर पाड़िता ने मीडिया से रुबरु होते हुए कहा कि अगर हमें न्याय नहीं मिला और संपत्ति में अधिकार नहीं दिया गया तो अपनी बहन संतोष देवी सैनी, बच्चों और अन्य रिश्तेदारों व रामनिवास वर्मा के साथ मुख्यमंत्री आवास के सामने आमरण अनशन करूंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काफी मंथन व मशक्कत हुई, दिवंगत डॉ. सिंह के अंतिम क्रियाकर्म स्थल के चयन से पहले

इस स्थान पर, डॉ. सिंह के लिये स्मारक बनाने के प्रस्ताव पर भी शीर्ष स्तर पर चर्चा हुई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **जैसा कि विदित ही है, पूर्व प्र.मंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी व राजीव गांधी का दाह संस्कार यमुना के तट पर राजघाट में हुआ था।**

■ **कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्र.मंत्री मोदी से विधिवत् आग्रह किया कि डॉ. मनमोहन सिंह के लिये अलग से स्मारक बनाया जाए, जिससे डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत के राजनीतिक व इकोनॉमिक जीवन पर जो अमिट छाप छोड़ी है, वह सदा स्मरणीय रहे।**

■ **राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया, डॉ. मनमोहन सिंह के लिये अलग से स्मारक बनवाने के लिये।**

■ **दूसरी ओर प्र.मंत्री मोदी के डॉ. मनमोहन सिंह के बारे में रिकॉर्डेड क्लिप दिन भर टी.वी. पर दिखाये गये तथा काफी मंथन हुआ, इस बात पर कि उनका दाह संस्कार कहाँ होना चाहिए।**

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। शुक्रवार को यहाँ कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की मीटिंग हुई, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रृंद्धाजलि दी गई। हालांकि, तब तक यह तय नहीं था कि उनका अंतिम संस्कार कहाँ होगा, क्योंकि तब तक डॉ. सिंह के परिवार और सरकार के बीच सहमति नहीं बनी थी और चर्चा थी कि क्रियाकर्म राजघाट पर हो सकता हे।

पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार दिल्ली में एक निर्धारित स्थल पर होता आया है। कई पूर्व प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया गया था। यह स्मारक महात्मा गांधी को समर्पित है।

डॉ. सिंह का शव उनके आवास 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग में रखा गया है। शनिवार को सुबह उनके अंतिम अवशेष ए.आई.सी.सी. मुख्यालय ले जाए जाएंगे, जहाँ आम जनता व कांग्रेस कार्यकर्ता 8:30 बजे से 9:30 के बीच उन्हें श्रृद्धांजलि देंगे। इसके बाद उनकी अंतिम यात्रा शुरु होगी और उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार स्थल ले जाया जाएगा। उनकी छोटी पुत्री शुक्रवार देर रात दिल्ली पहुँच गईं। चूंकि अंतिम संस्कार में परिजन का होना आवश्यक है, इसीलिए उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जा रहा है। हालांकि, उनका निधन गुरुवार रात को ही हो गया था।

सरकार ने शुक्रवार के सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिए। कांग्रेस ने गुरुवार रात ही बेलगाम मीटिंग रद्द कर दी थी। सभी पार्टी नेता डॉ. सिंह को श्रृद्धांजलि देने दिल्ली पहुँच गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी उन्हें श्रृद्धांजलि देने उनके घर गए।

सिंह के शव को काँच के ताबूत में रखा गया है। तिरंगे में लिपटे शव को फूलों से सजाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी भी डॉ. सिंह के आवास पर गए और उन्हें श्रृद्धांजलि दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में 7 दिन का शोक

जयपुर, 27दिसंबर। राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। स्वर्गीय मनमोहन सिंह के सम्मान में राज्य में 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी 2025तक सात दिन का राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा किसी भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा।

■ **राष्ट्रीयध्वज आधे झुके रहेंगे। अधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होंगे।**

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हो गया। भारत सरकार द्वारा स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)